

CSIR-IITR develops affordable Water Disinfection System “Oneer™”

The device will go a long way in meeting the requirements of potable water in rural and urban areas : Dr. Harsh Vardhan

Council of Scientific and Industrial Research ,Indian Institute of Toxicology Research (CSIR-IITR), Lucknow has developed an innovative technology for “Drinking Water Disinfection System” with Trademark “Oneer™” which was transferred to M/s Bluebird Water Purifiers, New Delhi on October 17, 2018 in the presence of Union Minister of Science & Technology and Vice-President, CSIR, Dr. Harsh Vardhan. It is useful for continuous treatment of water and eliminates all disease causing pathogens such as virus, bacteria, fungi, protozoa and cyst to provide safe drinking water to domestic and communities settings as per National and International standards prescribed for potable water (BIS, WHO etc.).

Speaking on the occasion, Dr. Harsh Vardhan said that it is well known that infection through drinking water results in an increase in morbidity and mortality particularly amongst children and Oneer developed by CSIR-IITR ,will provide access to safe and clean drinking water at a cost of just 2 Paise / Ltr. Dr. Harsh Vardhan further added that the Community level model is of 450 LPH capacity which can be scaled up to 5000 to 1 lakh L/day; and is also maintenance and membrane free. “The technology will be helpful especially for rural people since it can be solar powered and this development is in line with the ‘Make in India’ Mission”, added the Union Minister.

Dr. Shekhar C Mande, Director General, CSIR and Secretary, DSIR lauded the efforts of CSIR-IITR Scientists in developing Oneer-a safe drinking water device especially for rural areas. He said that currently, a large proportion of India's rural community is consuming water that does not meet the WHO drinking water quality standards. According to the World Health Organization, "access to safe drinking-water is essential to health, a basic human right and a component of effective policy for health protection”.

CSIR is continuously focusing on translational research through Mission Projects and Fast Track Translational Research Projects to develop technologies and products focussed at unmet needs. One of the components of the programme is to enhance the quality of life of common people and remove drudgery.

Professor Alok Dhawan, Director, CSIR-IITR also emphasized the application of this novel innovation for masses. The smaller unit of Oneer is particularly suitable for homes, street food vendors, and small establishments. He also thanked the Hon'ble Minister of Science & Technology, Dr Harshvardhan and DG CSIR Dr Shekhar C Mande for showing their keen interest in this innovation and making the occasion a grand success with their gracious presence.

सीएसआईआर-आईआईटीआर ने सस्ती जल कीटाणुशोधन प्रणाली "ओनीर^{टीएम}" विकसित की

यह उपकरण ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पीने योग्य पानी की आवश्यकताओं को पूरा करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा: डॉ हर्षवर्धन

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, भारतीय विषविज्ञान अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-आईआईटीआर), लखनऊ ने "ओनीर^{टीएम}" के नाम से एक अभिनव तकनीक "पेयजल कीटाणुशोधन प्रणाली" विकसित की है जिसे अक्टूबर 17, 2018 को मैसर्स ब्लूबर्ड वाटर प्यूरिफायर, नई दिल्ली को डॉ हर्षवर्धन, केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री और उपाध्यक्ष, सीएसआईआर, की उपस्थिति में स्थानांतरित किया गया। यह पानी के निरंतर उपचार के लिए उपयोगी है और रोगाणु कारक बैक्टीरिया, कवक, प्रोटोजोआ और सिस्ट आदि को नष्ट कर देता है ताकि पीने योग्य पानी निर्धारित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों (बीआईएस, डब्ल्यूएचओ इत्यादि) के अनुसार हो और घरेलू और समुदायों को सुरक्षित पेयजल मुहैया कर सके।

इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि यह अच्छी तरह से ज्ञात है कि पेयजल के माध्यम से संक्रमण अनेक रोगों और मृत्यु दर में वृद्धि का कारण है, विशेष रूप से बच्चों में। सीएसआईआर-आईआईटीआर द्वारा विकसित "ओनीर^{टीएम}" सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल केवल 2 पैसे/लीटर की लागत से प्रदान कर सकेगा। डॉ हर्षवर्धन ने आगे कहा कि इसके सामुदायिक स्तर का मॉडल 450 एलपीएच क्षमता का है जिसे 5000 से 1 लाख लीटर प्रति दिन तक बढ़ाया जा सकता है; और यह रखरखाव और झिल्ली मुक्त भी है। यह प्रौद्योगिकी विशेष रूप से ग्रामीण लोगों के लिए सहायक होगी क्योंकि यह सौर ऊर्जा से संचालित हो सकती है और यह 'मेक इन इंडिया' मिशन के अनुरूप है।

डॉ शेखर सी मंडे, महानिदेशक सीएसआईआर और सचिव, डीएसआईआर ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लिए "ओनीर^{टीएम}"-एक सुरक्षित पेयजल उपकरण विकसित करने में सीएसआईआर-आईआईटीआर वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में, भारत के ग्रामीण समुदाय का एक बड़ा हिस्सा ऐसे पानी का उपभोग कर रहा है जो डब्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित पीने के पानी की गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, "स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित पेयजल की पहुंच आवश्यक है और यह एक बुनियादी मानव अधिकार और स्वास्थ्य संरक्षण के लिए प्रभावी नीति का एक घटक है।

सीएसआईआर सदैव से आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न प्रौद्योगिकियों और उत्पादों को विकसित करने के लिए मिशन प्रोजेक्ट्स और फास्ट ट्रैक ट्रांसलेशन रिसर्च प्रोजेक्ट्स के माध्यम से ट्रांसलेशनल अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करता रहा है। इन कार्यक्रमों का मुख्य लक्ष्य आम लोगों के जीवन की गुणवत्ता और स्तर में सुधार लाना है।

प्रोफेसर आलोक धावन, निदेशक सीएसआईआर-आईआईटीआर ने जन साधारण के लिए इस नूतन नवाचार के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि "ओनीर^{टीएम}" की छोटी इकाई विशेष रूप से घरों, सड़क खाद्य विक्रेताओं और छोटी प्रतिष्ठानों के लिए उपयुक्त है। उन्होंने माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ हर्षवर्धन और डीजी सीएसआईआर डॉ शेखर सी मंडे को इस नवाचार में अपनी गहरी रुचि दिखाने और इस अवसर को अपनी उपस्थिति से सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

